PARIVARTAN
परिवर्तन

जून 2026 अंक 3, खंड 10

परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : +91 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा अब बेहतर मंचों पर जाने को तैयार

परिवर्तन द्वारा वर्ष में एक बार, यानि गर्मी की छुट्टियों को, उपयोगी बनाने का प्रयास किया जाता है। इसी प्रयास के यह कैंप बच्चों के लिए हीं नहीं बल्कि उनके अभिभावकों के लिए भी रोमांचकारी स्थान बन जाताहै। अलग अलग प्रकार के बच्चों शिविर में प्रशिक्षक के रूप में दिल्ली पब्लिक स्कूल पटना के शिक्षकों को आमंत्रित किया गया। दिनांक 15 जून

अंतर्गत समर कैंप का आयोजन होता है। हम जानते हैं कि जब बच्चों का विद्यालय बंद हो जाता है तब इनके पास खूब समय होता है। ऐसे में वे अपनी मन पसंद की गतिविधियों में भाग ले सकें एवं अपनी गर्मी की छुट्टी को यादगार बना सकें इसके लिए परिवर्तन प्रत्येक वर्ष एक अनूठे समर कैंप का आयोजन करने का प्रयास करता है। यह कैंप गर्मियों के दौरान मौज मस्ती के अलावा, बच्चों को आगे बढ़ने, नई चीजें सीखने, दोस्त बनाने और पर्यावरण की देखभाल करने के महत्त्व को समझने में भी मदद करता है। समर कैंप बच्चों को जिम्मेवार और स्वतंत्र भी बनाता है।

के साथ एक नए परिवेश में रहने से बच्चों को नई चीजें पता लगाने का मौका मिलता है। उन्हें यह भी पता चलता है कि दूसरों के साथ मिलकर काम करना कितना शानदार अनुभव होता है। इन्हीं सब बातों का ध्यान रखते हुए इस वर्ष भी पुनः दिनांक 15-20 जून 2026 को परिवर्तन द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर, **कमाल का कैंप - समर कैंप** का आयोजन किया गया। इस शिविर में परिवर्तन कार्यक्षेत्र के कुल 8 पंचायतों के 36 गाँव से लगभग 550 बच्चों ने भाग लिया। इस शिविर में भाग लेने हेतु रूचि रखने वाले बच्चों ने सबसे पहले अपना पंजीकरण करवाया उसके बाद उनके रूचि अनुसार उन्हें विभिन्न गतिविधियों में बाँट दिय गया। इस

2026 से शुरू हुए इस शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, एथेलेटिक्स, चित्रकला, लोक संगीत एवं शास्त्रीय संगीत एवं लोक एवं कत्थक नृत्य, पठन लेखन, जोड़ो ज्ञान, पेक पाठ्यक्रम तथा रंगमंच का प्रशिक्षण बच्चों को दिया गया। बच्चों ने भी काफी रूचि से प्रतिभागिता की। बच्चों द्वारा इस 6 दिवसीय कार्यशाला में सीखे गए कौशल की प्रस्तुति अंतिम दिन दी गयी। इस दौरान बच्चों के अभिभावकों सहित विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर लोगों ने कहा,- *वास्तविक प्रतिभा इन बच्चों के रूप में गाँव में है, बस उसे प्रोत्साहित करके आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।*

रंगमंच में अनुभव जनित नाटक विशेष प्रभाव स्थापित करता है

सामुदायिक रंगमंच द्वारा समय समय पर रंगमंच से जुड़े अलग अलग तरह के प्रयोग किये जाते हैं। इसी के अंतर्गत मई 2026 के प्रथम सप्ताह से लेकर 3 जून 2026 तक सामुदायिक रंगमंच ने आतंरिक क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन किया। इसका मकसद था ,-सामुदायिक रंगमंच के सभी कलाकारों को मिलकर नाट्य लेखन, मंच निर्माण, संगीत निर्माण आदि प्रक्रियायों को स्वयं से कर जानना और सीखना तथा पिछले दो-तीन सालों में अभिनेताओं को जो भी अनुभव हुए हैं उसे दर्शकों के सामने अपने नाटकों के माध्यम से प्रस्तुत करना । इस कड़ी में अभिनेताओं ने 3 नाटक -*कफ़न, भोलाराम का जीव* और एक एकल प्रस्तुति *गबरघिचोर* की प्रस्तुति की। यह प्रस्तुति परिवर्तन के सभागार में की गयी जिसमें समुदाय के 300 दर्शक शामिल हुए। ऐसे प्रदर्शनों से दर्शक नए अभिनेताओं की क्षमता का आंकलन कर पाते हैं और अभिनेता को भी अपनी कला और अभिनय में सुधार करने का अवसर प्राप्त होता है। कुल मिलाकर यह कार्यशाला और प्रस्तुति दोनो सफल रही।

इसी कड़ी में दिनांक 21 जून 2026 को ग्राम गोंठी में **विश्व संगीत दिवस** का उत्सव मनाया गया। विश्व के सभी देशों में इस संगीत दिवस का आयोजन होता है और परिवर्तन की इकाई सामुदायिक रंग मंच भी समुदाय के साथ मिलकर इसका आयोजन समुदाय में ही करती है। हमारे आस पास और परिवेश में जो कुछ भी संगीत शैलियाँ बची हैं या जो लुप्त प्राय हैं उसे संजोने को प्रेरित करने के लिए यह दिवस अच्छा अवसर देता है। दिन प्रतिदिन हम अपनी लोक संस्कृति और लोक गीतों को भूलते जा रहे हैं। आवश्यकता है कि गांव स्तर पर इस तरह के आयोजन किये जाएँ और ग्रामीण कलाकारों को एक मंच पर इकठ्ठा कर लुप्त होते गीत संगीत पर चर्चा की जाए। इस कार्यक्रम में न सिर्फ गोंठी बल्कि भवराजपुर, संथू, बड़हुलिया तथा बेल्ही के लोक कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। ग्रामीणों के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा और अपने लोक संगीत को संजोने को आम जन प्रेरित हुए। इसमें लगभग 200 दर्शकों ने भाग लिया ।

ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने एवं विभिन्न तरह के रोजगार से लोगों को जोड़ने हेतु परिवर्तन लगातार प्रयास कर रहा है। इसी प्रयास के अंतर्गत दिनांक 18 जून 2026 को परिवर्तन परिसर में बकरी पालन प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 97 महिला बकरी पालक, 2 पशुपालन तकनीकी विशेषज्ञ तथा पशुपालन विभाग के 2 पदाधिकारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने बकरी पालन को आय सृजन का प्रभावी माध्यम बताते हुए बकरियों में होने वाले प्रमुख रोगों, उनकी रोकथाम के उपायों तथा उन्नत नस्लों की विशेषताओं एवं उनके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिभागियों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक बकरी पालन तकनीकों से भी अवगत कराया गया। कार्यकम के दौरान पशुपालन विभाग के सहयोग से बकरी पालक समूहों का गठन भी कराया गया जिससे महिलाओं को संगठित होकर बकरी पालन व्यवसाय को अधिक प्रभावी एवं लाभकारी बनने में साम्यता मिले। प्रशिक्षण में शामिल महिला बकरी पलकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को अपने बकरी पालन व्यवसाय में अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को सुदृढ़ करने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

हमारा शरीर ही हमारी सम्पदा है, इसे स्वस्थ रखना हमारी जिम्मेवारी है

वर्तमान समय में स्वस्थ रहना हर व्यल्क्ति के लिए एक बेहद चुनौतीपूर्ण काम हो गया है। ऐसे में हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि हम अपने शरीर के लिए आवश्यक कसरत और योग-ध्यान आदि करते रहे। इसी को देखते हुए अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परिवर्तन से जुड़े खिलाड़ियों के साथ योग सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में S4D से जुड़े सत्र के बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान उन्हें अलग अलग तरह की योग मुद्रा को कराकर दिखाया गया एवं उसके महत्त्व को भी बताया गया। इस सत्र में अलग अलग गाँव से कुल 28 बच्चों ने भाग लिया एवं योगा अभ्यास किया। इन बच्चों का अभ्यास फुटबॉल कोच द्वारा करवाया गया। अभ्यास के बाद बच्चों ने कई योग मुद्राओं को करके भी बताया। इसके जरिये समुदाय को भी यह सन्देश देने का प्रयास किया गया कि कम उम्र से ही हमें अपने बच्चों को उनके स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने हेतु प्रेरित करने की आवश्यकता है।

पत्रिकालय के प्रति बढ़ती रूचि- सन्देश है कि समाज अब बदलाव चाहता है

पढ़ने की रूचि एवं किताबों की तरफ बच्चों का झुकाव बढ़ाने का प्रयास परिवर्तन द्वारा लगातार किया जाता रहा है। इसके लिए समय समय पर बच्चों एवं शिक्षकों के साथ विभिन्न तरह के प्रयास किये जाते रहे हैं। इसी प्रयास के अंतर्गत शिक्षा इकाई कि उप इकाई पुस्तकालय द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि परिवर्तन कार्यक्षेत्र के 8 पंचायतों में सामुदायिक पत्रिकालय स्थापित किया जा सके। इसी प्रयास के अंतर्गत 8 पंचायत से किशोरियों का चयन करके दिनांक 24 जून 2026 को सामुदायिक पत्रिकालय परिचय सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र के आयोजन का मुख्य उद्देश्य गाँव स्तर पर बच्चों को

किताबों से जोड़ना एवं एक पुस्तकालय के सञ्चालन के लिए आवश्यक बुनियादी जानकारी को पत्रिकालय सञ्चालन में रूचि रखने वाली लड़कियों तक पहुँचाने का था। इस सत्र में इन सभी किशोरियों को पत्रिकालय सञ्चालन की प्रक्रिया एवं बच्चों के साथ की जा सकने वाली गतिविधियों को सिखाया गया। साथ ही विभिन्न तरह की खेल शैली आदि की भी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के अंत में किशोरियों के मन में चल रहे विभिन्न प्रश्नों पर भी चर्चा की गयी ताकि सभी की जानकारी स्पष्ट रहे। इस सत्र में कुल 5 पंचायतों से 6 किशोरियों ने भाग लिया।

अच्छे कपड़े हमारे उत्साह को कई गुना आगे बढ़ा देते हैं

परिवर्तन नाम की जर्सी के साथ आस पास के गाँव में बच्चों को देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। कभी -कभी ये कपड़े उन्हें बहुत अधिक अच्छे लगने लगते हैं जब उनके पास कोई दुरुस्त कपड़े नहीं हों तो। इसी तरह जाड़े में परिवर्तन का स्वेटर पहने लोग विशेषकर युवा, परिवर्तन से अपनापन और गरमाहट महसूस करते हैं। इसी कड़ी में इस बार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवार से आने वाले उँ छोटे बच्चे और बच्चियों को एक उपहार देने का निर्णय हुआ।

जागृति महिला समाख्या टीम को यह दायित्व सौंपा गया कि वे इन कपड़ो को उन बेहद जरूरत मंद परिवार के बच्चे -बच्चियों को देने का निश्चय हुआ जो इसे लेने के लिए उत्साहित हों। यह तय हुआ कि सफ़ेद स्कर्ट और शर्ट और हाफ पेंट को जिसकी संख्या 145 थी को सभी दसों सहयोगिनियों को उनकी मांग के अनुसार दे दिया जाए और वे उन्हें उन बच्चों को उपलब्ध कराएं जो उनके महिला समूह से जुड़ी महिलाओं से जुड़े हैं। हमारा महिला समूह ,-ज्यादा अनुसूचित जाति और उसमें भी महादलित समुदाय से ताल्लुख रखने वाली महिलाओं से बना है इसलिए यह काम हमारी सहयोगिनी के लिए अधिक मुश्किल नहीं था। वैसे कपड़ों की सीमित संख्या के कारण निश्चय ही हमारी अपनी सीमाएं थीं। हमने देखा और महसूस किया कि परिवर्तन द्वारा दिए गए इन कपड़ों को पाकर बच्चे बड़े खुश हैं। छोटी लड़कियां तो और भी खुश दिखाई पड़ीं। बच्चों के माता -पिता ने भी परिवर्तन का धन्यवाद किया। हमें उम्मीद है कि इन कपड़ों से हमारी समूह की महिलाओं का परिवर्तन से आत्मीय लगाव हुआ है। हमारी सहयोगिनी भी इन बच्चों को अपने हाथों से कपड़े पहनाकर काफी संतुष्ट हुई।

आगे आने वाले प्रमुख कार्यक्रम

विद्यालय स्तरीय परिवर्तन विज्ञान कांग्रेस (21-31 जुलाई 2026): विज्ञान विषय से जुड़ी प्रायोगिक समझ को बच्चों के अनुसार विस्तारित करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन अलग अलग तिथि पर अलग अलग विद्यालयों में किया जायेगा। इस कार्यशाला मे बच्चों को अलग अलग टॉपिक से जुड़े मॉडल निर्माण एवं उसकी प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक समझ पर प्रकाश डाला जायेगा।

स्कूली खेल प्रतियोगिता (24-25 जुलाई 2026): सामुदायिक खेल इकाई उमंग की S4D सेशन से जुड़े बच्चों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा ताकि खेल के जरिये बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहित किया जा सके साथ ही साथ विद्यालय में भी खेल का एक माहौल बनाया जा सके जिससे बच्चे पढ़ने के साथ साथ खेल में भी रूचि दिखा सकें।

पंचायती राज विषयक प्रशिक्षण (24 जुलाई 2026):पंचायती राज से जुड़े विषयों पर महिला समूह की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इसमें समूह से जुड़ी महिलाओं के साथ साथ परिवर्तन जागृति महिला समाख्या की महिला कार्यकर्त्ता भी भाग लेंगी।

भाषण प्रतियोगिता (29 जुलाई 2026): नेतृत्व प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यालय के बच्चों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालय के बच्चों सहित अन्य विद्यालय के बच्चे भी सीमित संख्या में में भाग लेंगे।

किशोरी संगोष्ठी सह मेन्सट्रूपीडिया कार्यशाला (2 अगस्त 2026): जागृति महिला समाख्या के किशोरी समूह से जुड़ी किशोरियों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन छियासी में किया जायेगा। इस कार्यशाला में किशोरी के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर बातचीत होगी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास भी किया जायेगा।

पंचायत स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट (4-9 अगस्त 2026): फुटबॉल खेल के प्रति युवाओं एवं किशोर किशोरियों में उत्साह पैदा करने एवं फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन 8 पंचायतों में किया जायेगा। इस टूर्नामेंट हेतु सबसे पहले पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर खिलाड़ी चयन किया जायेगा। उसके बाद प्रशिक्षण होगा और वही प्रशिक्षित खिलाडी टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

ग्राम स्तरीय महिला सशक्तिकरण कार्यशाला (7 अगस्त 2026): जागृति महिला समाख्या के महिला समूह से जुड़ी महिलाओं के साथ इस कार्यशाला का आयोजन बालईपुर में किया जायेगा। इस कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण को लेकर बातचीत होगी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास भी किया जायेगा।

गोदभराई कार्यक्रम (7 अगस्त 2026):आंगनबाड़ी केंद्र पर चलने वाले गोद भराई कार्यक्रम को और भी अर्थवान एवं सार्थक बनाने के उद्देश्य से इस इस कार्यक्रम का आयोजन परिवर्तन द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम मे आयोजनकर्ता के रूप में आंगनवाड़ी सेविका होती हैं एवं परिवर्तन का सहयोग होता है।

पुस्तकालय आधारित नुक्कड़ प्रदर्शन (8 अगस्त 2026): पुस्तकालय एवं किताबों को अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने का प्रयास लगातार किया जाता रहा है। इसी प्रयास के अंतर्गत ये एक नया प्रयोग किया जा रहा है जिसमे किसी किताब की कहानी को नाटकीय अंदाज में बच्चों के बीच परोसा जाता है। इससे कहानी से बच्चे और जल्दी जुड़ पाते हैं।

एक दिवसीय प्रायोगिक विज्ञान कार्यशाला (11 अगस्त 2026): विज्ञान विषय से जुड़ी प्रायोगिक समझ को बच्चों के अंदर विस्तारित करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन स्थानीय उच्च विद्यालय में किया जायेगा।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026): आजादी के मायने एवं इसके लिए योगदान देने वाले वीर सपूतों को याद करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में परिवर्तन की अलग अलग इकाईयों से जुड़े बच्चे भाग लेंगे।